TEACHERS OF BIHAR

दैनिक ज्ञानकोश

सीखें-सिखाएं, बिहार को आगे बढ़ायें

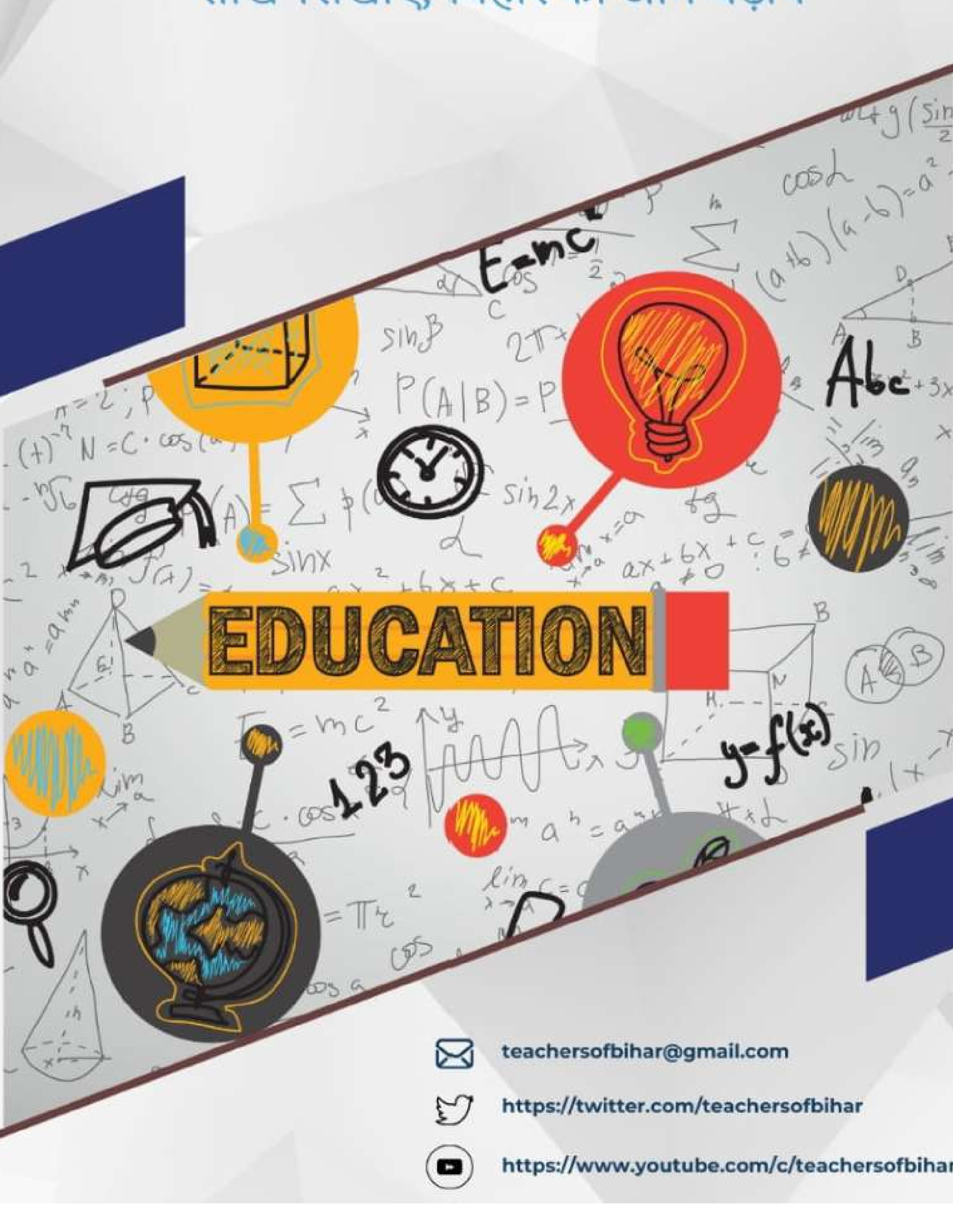

teachersofbihar@gmail.com

https://twitter.com/teachersofbihar

https://www.youtube.com/c/teachersofbihar

जयंती विशेष

15 जनवरी 2025

Teachers of Bihar

The Change Makers

आज का सुविचार

अगर आप उड़ नहीं सकते, तो दौड़ें. अगर दौड़ नहीं सकते, तो चलें.

अगर चल भी नहीं सकते, तो रेंगें. लेकिन हमेशा आगे बढ़ते रहें।

मार्टिन लूथर किंग जूनियर

(अमेरिका के गांधी)

जन्म: 15 जनवरी 1929 मृत्यु: 04 अप्रैल 1968

राकेश कुमार

www.teachersofbihar.org

15 जनवरी 2025

Teachers of Bihar

The Change Makers

आज का सुविचार

आपका दिमाग ही आपकी सबसे बड़ी समस्या है, ये उन वजहों को पकड़-पकड़ कर लाता है जो बेवजह हैं।

- डॉ.ए.पी.जे.अब्दुल कलाम

Vishwa Vijay Singh

www.teachersofbihar.org

Teachers of Bihar
The Change Makers
Email us : teachersofbihar@gmail.com

दिवस ज्ञान

15 जनवरी

Gyan Drishti
Diwas Gyan

विक्रम संवत् 2081, माघ माह, कृष्ण पक्ष, द्वितीया तिथि, बुधवार 15 जनवरी 2025

संपादक – शशिधर उज्ज्वल मोबाइल न0– 7004859938 email : ujjawal.shashidhar007@gmail.com

आज का विचार

"जीतने वाले कभी बहाने नहीं बनाते और बहाने वाले कभी जीतते नही।"

DIWAS GYAN

आज के दिन

1934– भारत और नेपाल में 8.7 तीव्रता वाला भूकंप आया। इस भूकंप में करीब 11,000 से अधिक जानें गई। यह बिहार का प्रमुख विनाशकारी भूकंप था।

1934– राज्यसभा की पहली महिला महासचिव रामा देवी का जन्म देवरोलु, आंध्र प्रदेश में हुआ था।

1965– भारतीय खाद्य निगम की स्थापना।

1988– भारत के पूर्व गेन्दबाज नरेन्द्र हिरवानी ने ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करते हुए वेस्टइंडिज के खिलाफ अपने पहले टेस्ट मैच में ही 16 विकेट लिए।

1992– बुल्गारिया ने बाल्कन के देश मैसिडोनिया को मान्यता दी।

2001– निःशुल्क ऑनलाइन विश्वकोश, विकिपीडिया की स्थापना जिमी वेल्स और लैरी सेंगर द्वारा की गई थी।

1. **थल सेना दिवस**– प्रतिवर्ष 15 जनवरी को लेफ्टिनेंट जनरल (बाद में फील्ड मार्शल) के. एम. करियप्पा के भारतीय थल सेना में शीर्ष कमांडर का पदभार ग्रहण करने के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। उन्होंने यह पद अंतिम अंग्रेज कमांडर जनरल फ्रांसिस राय बुचर से यह पद भार ग्रहण किया था। 15 जनवरी, 1949 ई. को ही के. एम. करियप्पा स्वतंत्र भारत के प्रथम भारतीय थल सेना प्रमुख बने। भारतीय थल सेना को रक्षा पंक्ति में प्रथम तथा प्रधान स्थान प्राप्त है। भारतीय थल सेना का मुख्यालय नई दिल्ली में स्थित है। थल सेना के सेनाध्यक्ष चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ होते हैं, जो समग्र रूप से सेना की कमान, नियंत्रण और प्रशासन के लिए उत्तरदायी है। सेना को छः कमांडों और एक प्रशिक्षण कमांड में बाँटा गया है। थल सेना दिवस पर देश की सीमाओं की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहूति देने वाले वीर सपूतों के प्रति श्रद्धांजलि दिया जाता है।
   - **बच्चों को क्या बतायें?** बच्चों को भारतीय थल सेना के साहस और पराक्रम की कहानियां अथवा फिल्मों को दिखाएं। बच्चों को सैनिकों का सम्मान करना सिखायें।

2. **भारतीय खाद्य निगम की स्थापना**– भारतीय खाद्य निगम की स्थापना 15 जनवरी, 1965 को खाद्य सुरक्षा को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से की गई थी। यह अच्छी गुणवत्ता के खाद्यान्नों का क्रय करके उन्हें गोदामों में भण्डारित करता है। फिर लक्षित सार्वजनिक वितरण प्रणाली के माध्यम से लोगों को वहनीय मूल्यों पर उपलब्ध कराया जाता है।
   - बच्चों को **वर्ग आठ के नागरिक की पाठ्यपुस्तक के अध्याय 8 'खाद्य सुरक्षा'** से जोड़कर बतायें।

3. **सैफुद्दीन किचलू का जन्म**– सैफुद्दीन किचलू एक भारतीय स्वतंत्रता सेनानी, वकील व भारतीय राष्ट्रवादी मुस्लिम नेता थे। इनका जन्म 15 जनवरी, 1888 ई. को अमृतसर, पंजाब में हुआ था। इनके पिता का नाम अज़ीज़ुद्दीन किचलू, और माता का नाम दान बीबी था। इनके पूर्वज कश्मीरी पण्डित थे। जिन्होंने बाद में इस्लाम अपना लिया। इनकी प्रारम्भिक शिक्षा अमृतसर में हुई। उन्होंने कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय से स्नातक की डिग्री लेने के बाद लन्दन से 'बार–एट–लॉ' तथा जर्मनी से पीएच.डी. की उपाधि प्राप्त किया। वहाँ वे फ्रेंच क्रांति से प्रभावित हुए। 'मजलिस' नाम की स्टूडेंट सोसाइटी से जुड़े। भारत लौटने के बाद वे भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में कूद पड़े।

   इन्होंने होमरूल आंदोलन, खिलाफत आंदोलन और असहयोग आंदोलन में भाग लिया। वर्ष 1924 में उन्हें भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का महासचिव बनाया गया। उन्होंने 'तंजीम' नाम से एक पत्रिका की शुरुआत की। डॉ. सैफुद्दीन किचलू मुस्लिम लीग की विचारधारा के धूर विरोधी थे और आखिरी तक 'टू नेशन थ्योरी' का विरोध करते रहे। 21 दिसम्बर, 1954 ई. को उन्हें स्टालिन शांति पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह सम्मान प्राप्त करने वाले वे प्रथम भारतीय थे। 9 अक्टूबर, 1988 को सैफुद्दीन किचलू का दिल्ली में निधन हो गया।

4. **एशियाटिक सोसाइटी ऑफ बंगाल की स्थापना**– एशियाटिक सोसाइटी की स्थापना 15 जनवरी, 1784 ई. को विलियम जोंस ने कोलकाता स्थित फोर्ट विलियम में की थी। इसका उद्देश्य प्राच्य–अध्ययन का बढ़ावा देना था। एशियाटिक सोसाइटी में लगभग 1 लाख 75 हजार पुस्तकों का संग्रह है जिनमें तमाम पुस्तकें तथा वस्तुएं अत्यंत दुर्लभ है। इसमें एशिया का प्रथम आधुनिक संग्रहालय भी था। वर्तमान में यह संस्थान सभी साहित्यिक व वैज्ञानिक गतिविधियों तथा पुस्तकों, पांडुलिपियों, सिक्कों, पुराने चित्रों और अभिलेख का संरक्षक है।

आज के दिवस ज्ञान की विस्तारपूर्वक जानकारी के लिए पढ़ें 1. 'दिवस ज्ञान विशेषांक 15 जनवरी 2025', 2. ज्ञान दृष्टि का 'भारतीय सेना' अंक

website: https://www.teachersofbihar.org/publication/diwasgyan https://www.teachersofbihar.org/publication/gyandrishti

मधु प्रिया

थल सेना दिवस 15 जनवरी

थल सेना दिवस, भारत में हर वर्ष 15 जनवरी को लेफ्टिनेंट जनरल (बाद में फ़ील्ड मार्शल) के. एम. करियप्पा के भारतीय थल सेना के शीर्ष कमांडर का पदभार ग्रहण करने के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। उन्होंने 15 जनवरी 1949 को ब्रिटिश राज के समय के भारतीय सेना के अंतिम अंग्रेज शीर्ष कमांडर जनरल रॉय फ्रांसिस बुचर से यह पदभार ग्रहण किया था। यह दिन सैन्य परेडों, सैन्य प्रदर्शनियों व अन्य आधिकारिक कार्यक्रमों के साथ नई दिल्ली व सभी सेना मुख्यालयों में मनाया जाता है। इस दिन उन सभी बहादुर सेनानियों को सलामी भी दी जाती है जिन्होंने कभी ना कभी अपने देश और लोगों की सलामती के लिये अपना सर्वोच्च न्योछावर कर दिया।15 अगस्त 1947 को जब भारत स्वतंत्र हुआ, तब देश भर में व्याप्त दंगे-फसादों तथा शरणार्थियों के आवागमन के कारण उथल-पुथल का माहौल था। इस कारण कई प्रशासनिक समस्याएं पैदा होने लगी और फिर स्थिति को नियंत्रित करने के लिए सेना को आगे आना पड़ा। इसके पश्चात एक विशेष सेना कमांड का गठन किया गया, ताकि विभाजन के दौरान शांति-व्यवस्था सुनिश्चित की जा सके। परन्तु भारतीय सेना के अध्यक्ष तब भी ब्रिटिश मूल के ही हुआ करते थे। 15 जनवरी 1949 को फील्ड मार्शल के एम करिअप्पा स्वतंत्र भारत के पहले भारतीय सेना प्रमुख बने थे। उस समय भारतीय सेना में लगभग 2 लाख सैनिक थे। उनसे पहले यह पद कमांडर जनरल रॉय फ्रांसिस बुचर के पास था। उसके बाद से ही प्रत्येक वर्ष 15 जनवरी को सेना दिवस मनाया जाता है। के एम करिअप्पा पहले ऐसे अधिकारी थे जिन्हें फील्ड मार्शल की उपाधि दी गई थी। उन्होंने साल 1947 में भारत-पाक युद्ध में भारतीय सेना का नेतृत्व किया था।

पुण्यतिथि विशेष 15 जनवरी

राकेश कुमार

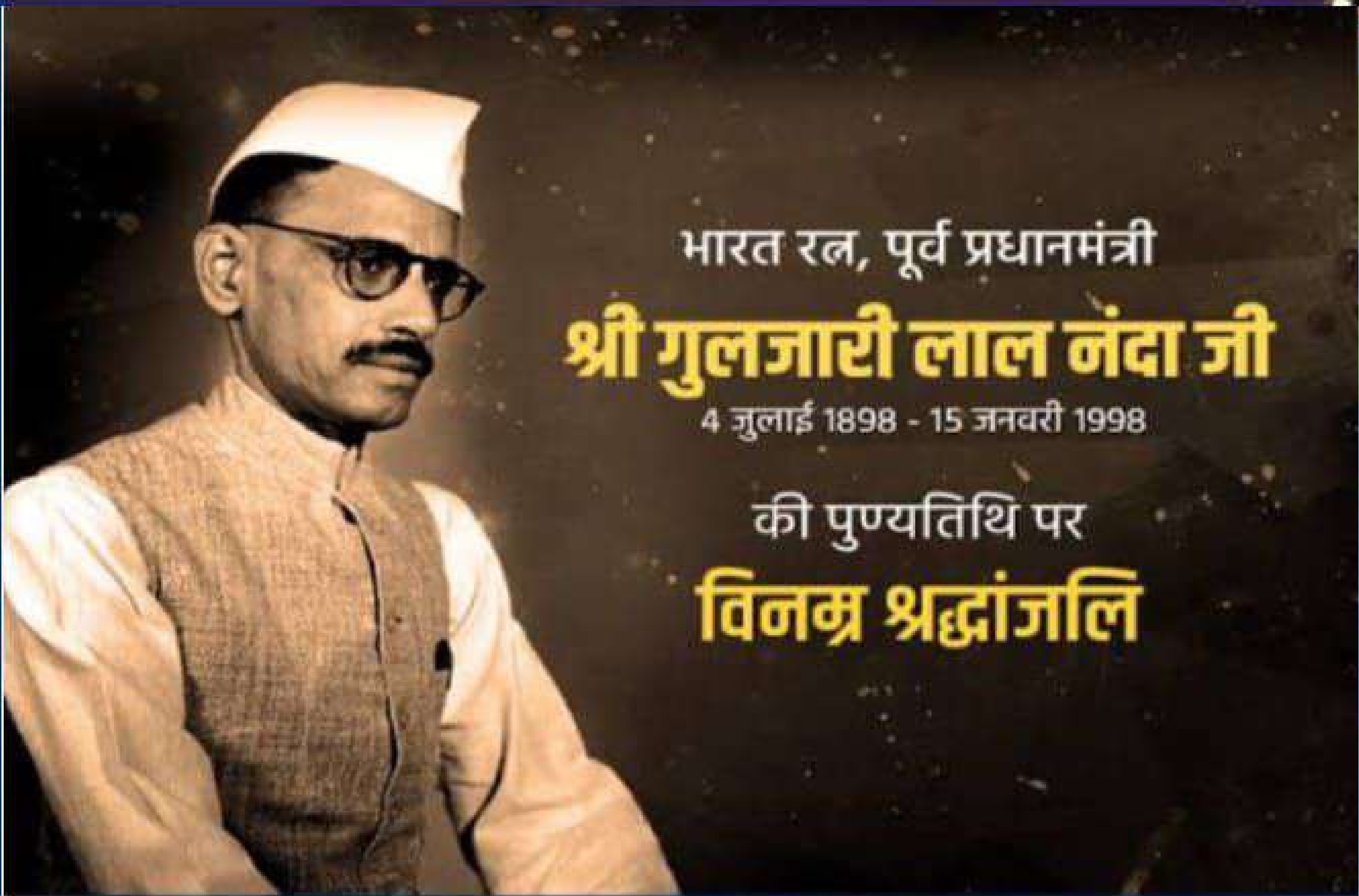

गुलजारीलाल नन्दा (जन्म- 4 जुलाई 1898 मृत्यु- 15 जनवरी 1998) एक भारतीय राजनीतिज्ञ थे। 1964 में जवाहरलाल नेहरू की मृत्यु के बाद वे कार्यवाहक प्रधानमंत्री बनाए गए। दूसरी बार लाल बहादुर शास्त्री की मृत्यु के बाद 1966 में वे पुनः कार्यवाहक प्रधानमंत्री बने। इनका कार्यकाल दोनों बार उसी समय तक सीमित रहा जब तक की कांग्रेस पार्टी ने अपने नए नेता का चयन नहीं कर लिया। वे 'नन्दाजी' के रूप में विख्यात थे।

Teachers of Bihar

The Change Makers

राकेश कुमार

शिक्षा शब्दकोश

आज का शब्द 15.01.2025

संवादात्मक शिक्षा

संवादात्मक शिक्षा, शिक्षण और सीखने के लिए बातचीत का सबसे प्रभावी तरीका है. इसमें शिक्षक और छात्रों के बीच लगातार बातचीत होती है. संवादात्मक शिक्षा के ज़रिए, शिक्षक छात्रों के रोज़मर्रा के ज्ञान के बारे में जान सकते हैं और उनके विचारों से जुड़ सकते हैं. इससे गलतफ़हमियां दूर होती हैं और छात्रों को अपनी समझ की सीमाओं का पता चलता है।

रोचक तथ्य/सामान्य ज्ञान

Rakesh kumar

न्यूजीलैंड की एग्लिंटन घाटी

में स्थित मिरर लेक्स इतनी साफ हैं कि ये बिल्कुल आईने जैसी दिखती हैं। इन झीलों में लोग अपनी और आस-पास के पहाड़ों की छवि साफ-साफ देख सकते हैं।

दिवस प्रेरणा 15

रामा देवी चौधरी

(स्वतंत्रता सेनानी)

देश के लिए सभी सुख सुविधाओं का त्याग कर दिया...

संघर्ष

पन्द्रह साल की उम्र में एक उच्च सरकारी अधिकारी के साथ शादी कर दी गई। वर्ष 1921 में महात्मा गाँधी से मिलने के बाद जीवन की दिशा बदल दी। सभी सुख–सुविधाओं, गहनों, महँगे कपड़ों को त्याग दिया। पति ने सरकारी नौकरी से त्यागपत्र दे दिया। ओड़िसा के बालासोर जिले के इंचुदी स्थान पर नमक सत्याग्रह के दौरान उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। जेल से छूटने के बाद एक आश्रम की स्थापना की जिसका खर्च काते गये सूत और खादी उत्पादों से चलता था। उन्होंने अस्पृश्यता का विरोध किया। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद प्रेस सेंसरशिप के विरोध में रामा देवी जी ने अपनी ग्रामीण सेवक प्रेस से अखबार प्रकाशित करना प्रारंभ किया। लेकिन तत्कालिन सरकार ने उस प्रेस को भी ज़ब्त कर लिया।

सफलता

'उड़ीसा की अम्मा' के रूप में मशहुर हुईं। अस्पृश्यता के विरूद्ध जागृति का प्रसार किया। गाँधीवादी विचारधारा का प्रचार प्रसार किया। महिलाओं को आगे बढ़कर आंन्दोलन में भाग लेने को प्रेरित किया। भारत–चीन युद्धसे प्रभावित सैनिकों की सहायता के लिए कार्य किया। उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए उन्हें जमनालाल बजाज पुरस्कार तथा उत्कल विश्वविद्यालय द्वारा पी.एचडी. की मानद उपाधि प्रदान की गई।

संकलन : शशिधर उज्ज्वल. ई मेल– ujjawal.shashidhar007@gmail.com
प्रस्तुति: टीचर्स ऑफ बिहार. contact us : www.teachersofbihar.org \ info@teachersofbihar.org

स्रोत:
दैनिक भास्कर

TOB

राकेश कुमार

खेल कॉर्नर

क्रिकेट अवार्ड

बुमराह ICC प्लेयर ऑफ द मंथ बने: कमिंस और पैटरसन को पीछे छोड़ा; विमेंस कैटेगरी में सदरलैंड को मिला अवॉर्ड

भारतीय तेज गेंदबाद जसप्रीत बुमराह ने दिसंबर की परफॉर्मेंस के लिए ICC प्लेयर ऑफ द मंथ का अवॉर्ड जीत लिया है। ICC ने उनके साथ साउथ अफ्रीका के गेंदबाज डैन पैटरसन और ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस को भी नॉमिनेट किया था।

विमेंस कैटेगरी में ऑस्ट्रेलिया की एनाबेल सदरलैंड को यह अवॉर्ड मिला। भारत की स्मृति मंधाना और साउथ अफ्रीका की एन मलाबा भी रेस में थीं। सदरलैंड ने 5 मैच में 9 विकेट लिए और 269 रन भी बनाए थे।

विभिन्न तत्वों से परिचय

रसायनविज्ञान

वर्ग - 9-10

तत्व (Element)

बोरॉन (Boron)

संकेत (symbol) - B

परमाणु संख्या Atomic no. -5

परमाणु भार A.weight -10.81

समूह (group)-13

आवर्त (period)-2

ब्लाक (Block)-P

संयोजकता (valancy)-3

इलेक्ट्रॉनिक विन्यास -$[He]2s^2 2p^1$

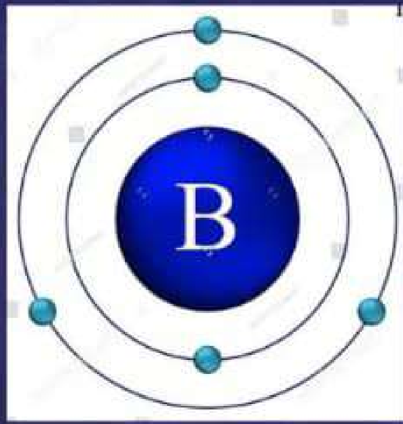

खोज

1808, जोसेफ लुई, लुई जैक्स थेनार्ड

भौतिक गुण

काला रंग, चमकदार, अर्ध चालक, भंगुर

रासायनिक गुण

सहसंयोजक बंधन, उच्च ताप पर अच्छा सुचालक और निम्न ताप पर अच्छा कुचालक

उपयोग

फाइबर ग्लास, बुलेट प्रूफ जैकेट, कांच बनाने

Anu priya

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS
गुलजारीलाल नन्दा
4 जुलाई 1898 - 15 जनवरी 1998
/teachersofbihar
Madhu priya

15 जनवरी
शौर्य साहस का तू चंदन है
हे मातृभूमि के वीर
हृदय से तुम्हारा वंदन है।
सभी भारतीय सैनिकों को
सेना दिवस
पर आभार और नमन।
TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS
Madhu priya
www.teachersofbihar.org